FA	1

राज्य स्तरीय आकलन

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : पहली **विषय : हिन्दी**

PAPER CODE : 1011 **पूर्णांक : 10**

निर्देश – खण्ड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खण्ड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खण्ड – 'अ' **(अंक 05)**

LO – L-101 - विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं जैसे- कविता, कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना।

गतिविधि 1. बोलो–बोलो क्या पसंद है ?

व्यक्तिगत कार्य – तुम्हें कौन–सा खेल खेलना पसंद है और क्यों पसंद है ? तुम वह खेल किसके साथ खेलते हो?

निर्देश –

1. शिक्षक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर एवं धैर्यपूर्वक बच्चों का मूल्यांकन करें।
2. प्रत्येक बच्चे को अलग–अलग बुलाकर मूल्यांकन करें।
3. प्रत्येक बच्चे को 10 मिनट का समय दें।
4. अपने अनुभवों को साझा करने के लिए बच्चों को स्कूल की भाषा या घर की भाषा का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता दें।
5. शिक्षक बच्चों को इस तरह के अन्य कोई और निजी अनुभवों को साझा करने के लिए कह सकते हैं। जैसे – रंगों के नाम, कोई मनपसंद दैनिक कार्य, ... इत्यादि।

गतिविधि 2. मुझे सुनाओ तुम एक कहानी/कविता

व्यक्तिगत कार्य – स्कूल या घर में सुनी हुई अपनी पंसद की कोई एक कहानी या कविता सुनाओ।

निर्देश –

1. शिक्षक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर एवं धैर्यपूर्वक बच्चों का मूल्यांकन करें।
2. प्रत्येक बच्चे को अलग–अलग बुलाकर मूल्यांकन करें।
3. प्रत्येक बच्चे को 10 मिनट का समय दें।
4. अपने अनुभवों को साझा करने के लिए बच्चों को स्कूल की भाषा या घर की भाषा का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता दें।

गतिविधि 3. देखो, समझो और बताओ

व्यक्तिगत कार्य – कोई भी चित्र दिखाकर उस पर कुछ प्रश्न इस प्रकार पूछे जा सकते हैं –

1. यह चित्र किस जगह का हो सकता है ?
2. चित्र में क्या–क्या दिख रहा है ?
3. चित्र में क्या हो रहा है?

निर्देश –

1. शिक्षक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर एवं धैर्यपूर्वक बच्चों का मूल्यांकन करें।
2. प्रत्येक बच्चे को अलग–अलग बुलाकर मूल्यांकन करें।
3. प्रत्येक बच्चे को 10 मिनट का समय दें।
4. शिक्षक इसकी जगह कोई अन्य चित्र चार्ट/पोस्टर चित्र दिखा कर मौखिक प्रश्न पूछ सकते हैं।
5. बच्चों को मौखिक उत्तर हिंदी या अपनी घर की मातृभाषा में देने की स्वतंत्रता होगी।
6. वाक्यों की शुद्धता व उच्चारण पर जोर न दें।

खण्ड 'ब' (अंक 05)

LO – L-102 - सुनी सामग्री (कहानी, कविता,आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं।

गतिविधि 4. सुनो, समझो फिर बोलो

रज्जू के बेटे ने मिट्टी की ढ़ेरी में,

सेमी के कई बीज बोए बोए बोए।

रात का अंधेरा था, चूहों का डेरा था,

दो चूहे बीज खाने आए, आए, आए।।

सुबह को न ढेर थी, न सेमी के बीज थे,

दो चूहे मोटे हो कर सोए, सोए, सोए।

कविता को सुनकर पूछे गए प्रश्नों के मौखिक उत्तर दो।

1. रज्जू के बेटे ने सेमी के बीज कहाँ बोए थे?
2. चूहे बीज खाने कब आए?
3. सुबह चूहे मोटे क्यों हो गए?
4. तुम मिट्टी की ढेर में कौन–से बीज बोना चाहोगे ?
5. सुबह सेमी के बीज न देखकर रज्जू के बेटे के क्या किया होगा ?

निर्देश –

1. शिक्षक कक्षा में हाव–भाव से दो बार कविता सुनाएँ।
2. शिक्षक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर एवं धैर्यपूर्वक बच्चों का मूल्यांकन करें।
3. प्रत्येक बच्चे को अलग–अलग बुलाकर मूल्यांकन करें।
4. अपने बच्चे को 10 मिनट का समय दें।
5. अपने अनुभवों को साझा करने के लिए बच्चों को स्कूल की भाष या घर की भाषा का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता दें।
6. इस तरह की कोई अन्य कविता सुनाकर भी शिक्षक बच्चों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

गतिविधि 5. सुनो, समझो फिर बोलो

कहानी – एक दिन रमा के घर पर दो कबूतर आ गये। रमा उन्हें देखने आँगन में आ गई। रमा को कबूतरों का घोंसला दिखा। रमा ऊपर चढ़कर घोंसला देखने लगी। रानी भी घोंसला देखने आ गई। घोंसलों में अंडा देखकर दोनों बहुत खुश हुईं। रानी ने देखा मुनमुन भी वहाँ थी। रमा ने मुनमुन को वहाँ से भगा दिया। मुनमुन फिर से लौट आई। रमा ने मुनमुन को दूध पिलाया। वे मुनमुन को रोज दूध देने लगीं। मुनमुन रोज दूध पीती और चली जाती। उन्हें एक दिन अंडा में दरारें दिखीं। अंडे में से बच्चा निकल आया। उन्होंने उसका नाम मुन्नू रख दिया।

बातचीत के लिए कुछ प्रश्न ऐसे हो सकते है। जैसे –

1. घर पर किसने घोंसला बनाया था ?
2. सबसे पहले घोंसला किसने देखा ?
3. घोंसले में क्या था ?
4. मुनमुन किसका नाम हो सकता है ?
5. रमा ने मुनमुन को दूध क्यों पिलाया ?
6. तुम अंडे को मुनमुन से बचाने के लिए क्या करते ?

निर्देश –

1. शिक्षक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर एवं धैर्यपूर्वक बच्चों का मूल्यांकन करें।
2. अपनी बात रखने व बातचीत करने के लिए बच्चों को उनकी स्कूल की भाषा या घर की भाषा इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता हो।
3. इसकी जगह कोई अन्य कहानी सुनाकर भी मौखिक बातचीत कर सकते हैं।

गतिविधि 6. सुनो, समझो फिर बोलो

पाठ्य पुस्तक में दी गई कविता **'गमला'** या कोई और कविता शिक्षक हाव–भाव से सुनाएँ उस पर 5 प्रश्न तैयार कर बच्चों से मौखिक प्रश्न करें। जैसे –

1. गमलें किन–किन चीजों से बनाएँ जा सकते हैं ?
2. गमले कहाँ रखे जाते हैं ?
3. हम अपना घर–आँगन सुदंर बनाने के लिए क्या–क्या करते हैं ?
4. तुम गमले में क्या लगाना चाहोगे ?

निर्देश –

1. शिक्षक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर एवं धैर्यपूर्वक बच्चों का मूल्यांकन करें।
2. अपनी बात रखने व बातचीत करने के लिए बच्चों को उनकी स्कूल की भाषा या घर की भाषा इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता हो।
3. इसकी जगह कोई अन्य कविता सुनाकर भी मौखिक बातचीत कर सकते हैं।